Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 01-सितंबर, 2022

अभिजीत सेन

भारत के **प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और योजना आयोग के पूर्व सदस्य अभिजीत सेन** का **29 अगस्त, 2022 को 72 वर्ष की आयु में निधन** हो गया। अभिजीत सेन का जन्म नई दिल्ली में रहने वाले एक बंगाली परिवार में हुआ था। उन्होंने **दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट स्टीफंस कॉलेज** से भौतिकी में स्नातक किया और वर्ष 1981 में उन्होंने **कैंब्रिज विश्वविद्यालय** से अर्थशास्त्र में पीएचडी की, यहाँ वे ट्रिनिटी हॉल के सदस्य भी रहे। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के लिये उन्होंने कई महत्त्वपूर्ण काम किये। **वर्ष 1997 में भारत सरकार द्वारा उन्हें** [‘कृषि लागत और मूल्य आयोग’](#) **का अध्यक्ष नियुक्त** किया गया। उन्होंने कृषि वस्तुओं के लिये [न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)](#) की सिफारिश की थी। वर्ष 2014 में उन्हें सरकार ने **‘दीर्घकालिक अनाज नीति पर विशेषज्ञों की उच्च-स्तरीय समिति’** का अध्यक्ष बनाया। सेन कई वैश्विक अनुसंधान और बहुपक्षीय संगठनों जैसे [संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)](#), [एशियाई विकास बैंक](#), [संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (FAO)](#), कृषि विकास के लिये अंतर्राष्ट्रीय कोष और ओईसीडी विकास केंद्र से भी जुड़े रहे हैं। वर्ष 2010 में उन्हें सार्वजनिक सेवा के लिये [पद्म भूषण](#) से सम्मानित किया गया।

‘विश्व नारियल दिवस’

[नारियल विकास बोर्ड (Coconut Development Board- CDB)](#) **2 सितंबर, 2022** को **24वाँ विश्व नारियल दिवस पर समारोह** आयोजित कर रहा है। इस वर्ष का मुख्य विषय है- **‘खुशहाल भविष्य और जीवन के लिये नारियल की खेती करें’ (Growing Coconut for a Better Future and Life)**। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री इस समारोह का उद्घाटन **जूनागढ़ (गुजरात)** में करेंगे। इस दौरान कृषि मंत्री बहुमाली भवन, जूनागढ़ में बोर्ड के **‘राज्य स्तरीय केंद्र’** का लोकार्पण करेंगे और बोर्ड के **राष्ट्रीय पुरस्कारों एवं निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कारों के विजेताओं की घोषणा** करेंगे। साथ ही वे **किसानों को संबोधित** करेंगे। इस कार्यक्रम के बाद **जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय** में नारियल की अच्छी **कृषि पद्धतियाँ और विपणन विषयक तकनीकी सत्र** भी आयोजित होंगे। जूनागढ़ के कार्यक्रम में लगभग **एक हज़ार नारियल-किसान और विभिन्न समूहों के पदाधिकारी** भाग लेंगे। एशिया प्रशांत क्षेत्र के सभी नारियल उत्पादक देश **‘अंतर्राष्ट्रीय नारियल समुदाय’ (International Coconut Community-ICC)** के स्थापना दिवस अर्थात् **2 सितंबर को प्रत्येक वर्ष विश्व नारियल दिवस के रूप** मनाते हैं। ICC एक **अंतर-शासकीय** संगठन है। नारियल दिवस मनाने का उद्देश्य नारियल उत्पादन के प्रति **जागरूकता** बढ़ाना और उसके **महत्त्व** को उजागर करना तथा इसके संदर्भ में **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित** करना है।

मुख्यमंत्री उदयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के द्वारा देहरादून में 29 अगस्त, 2022 को [राष्ट्रीय खेल दिवस](#) के अवसर पर **मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना** का शुभारंभ किया है। इस योजना के तहत **8 से लेकर 14 वर्ष के उभरते हुए खिलाड़ियों को प्रतिमाह 1500 रुपए की खेल छात्रवृत्ति** दी जाएगी। छात्रवृत्ति देने के लिये प्रदेश में 3900 प्रतिभावान छात्रों का चयन हुआ है। जिसमें प्रदेश के प्रत्येक ज़िले से 150 बालक एवं 150 बालिकाओं को चयनित करके शामिल किया गया है। अर्थात् इस योजना के तहत सरकार **प्रत्येक वर्ष खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिये 1950 बालक एवं 1950 बालिकाओं को खेल छात्रवृत्ति** देकर प्रोत्साहित करेगी। इसके अलावा प्रदेश में खेल प्रशिक्षकों की कमी को देखते हुए प्रत्येक ज़िले में आठ खेल प्रशिक्षकों की नियुक्ति भी की जाएगी। खिलाड़ियों को आर्थिक लाभ देने के लिये मुख्यमंत्री खेल विकास कोष की स्थापना की जाएगी। साथ ही **खिलाड़ियों को चोट लगने पर दुर्घटना बीमा या वित्तीय सहायता** प्रदान करने का भी प्रावधान किया गया है। दूसरी तरफ प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु खिलाड़ियों को **यात्रा सुविधा** प्रदान करने का भी निर्णय लिया गया है। उत्तराखंड सरकार ने नवंबर 2021 में **राज्य की नई खेल नीति** को पारित किया था। इस नीति के तहत खिलाड़ियों की प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु **5 वर्ष, 10 वर्ष और 15 वर्ष के आधार पर कार्य योजना तैयार करने का प्रावधान है।** साथ ही राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को **उच्च स्तरीय प्रशिक्षण** देने की भी व्यवस्था की गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-01-september-2022